This question paper contains 4+2 printed pages]

1382-P

First Year Arts EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper II

(गद्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : 20]

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **पचास** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' [Marks : 50]

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : 30]

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. (क) 'अलख आजादी' में करीब कितने वर्षों के इतिहास की कथा है ?

(ख) 'अलख आजादी' में कुल कितने दृश्य हैं ?

(ग) "खुलासा बात यह है कि एक बार 'शो' और 'ड्यूटी' का मुकाबला कीजिये।" यह किस निबंध की पंक्ति है ?

(घ) "जब बच्चे को संबंध ज्ञान कुछ-कुछ होने लगता है, तभी दुख के उस भेद की नींव पड़ जाती है.....।" यह पंक्ति किस निबंध की है ?

(ङ) पाठ्यपुस्तक में संकलित विद्यानिवास मिश्र के निबंध का नाम लिखिए।

(च) "इस भक्ति आंदोलन की पहली विशेषता यह है कि यह अखिल भारतीय है।" यह पंक्ति किस निबंध की है ?

(छ) पृथ्वी थियेटर्स किस क्षेत्र से जुड़ा है ?

(ज) मोहन राकेश के **दो** नाटकों के नाम लिखिये।

(झ) 'आस्था के चरण' किस लेखक की रचना है ?

(ञ) 'कुटज' किस निबंधकार की रचना है ?

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये :

आप लोग भी जरा संभल कर रहिए। कहीं ऐसा न हो कि आपके लेखकीय गुण, आपकी निर्देशकीय प्रतिभा, आपका सुरीला गला और आपकी कोमल त्वचा भी कहीं बौद्धिक सम्पदा कानून में उलझ कर न रह जाय.....

अथवा

3. दो कौमों का सिद्धान्त असत्य है..... हिंदोस्तान के मुसलमान विभाजन पर जोर दें तो मैं अहिंसा का पुजारी होने के नाते उन्हें रोक नहीं सकता..... लेकिन यह एक कौम के रूप में साथ रहने के लिए अनगिनत हिंदुओं और मुसलमानों में सदियों तक जो काम किए हैं..... उसे धूल में मिलाना है.....।

इकाई II

4. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये :

सामाजिक जीवन की स्थिति और पुष्टि के लिए करुणा का प्रसार आवश्यक है। समाजशास्त्र के पश्चिमी ग्रन्थकार कहा करें कि समाज में एक-दूसरे की सहायता अपनी-अपनी रक्षा के विचार से की जाती है; यदि ध्यान से देखा जाय तो कर्म-क्षेत्र में परस्पर सहायता की सच्ची उत्तेजना देने वाली किसी न किसी रूप में करुणा ही होगी।

अथवा

5. नया काव्य प्रवर्तन आरम्भ हो चुका है, परंतु शैली के रूप में उसकी नूतन प्रतिष्ठा होने में कुछ समय लगेगा। इस नवीन प्रवर्तन के मूल में नयी विचारणा, नयी चिन्तन पद्धति और नवीन जीवन दृष्टि ही नहीं है, नयी कला शैली की भी सत्ता है।

इकाई III

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

परन्तु मैं नैतिक और सामाजिक मूल्य का निषेध नहीं करता। जीवन में नीति और समाज की सत्ता अतर्क्य है। मनुष्य

सामाजिक प्राणी है, सामूहिक हित उसके अपने व्यक्तिगत हितों से निश्चय ही अधिक महत्वपूर्ण हैं, समाज की संघ शक्ति व्यक्ति की अपनी शक्ति की अपेक्षा निश्चय ही अधिक प्रबल है।

अथवा

7. हम वस्तुतः सिद्धावस्था में पहुँच चुके हैं, इसलिए हमें वर्तमान नहीं छूता, हमें केवल भूत पकड़ता है, या भविष्यत् खींचता है, वर्तमान हमें लेखमात्र भी प्रभावित नहीं करता। इसलिए हम अस्ति की अटपटी भाषा नहीं समझ पाते।

इकाई IV

8. 'देवदारु' निबंध में व्यक्त विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

9. 'हरी-हरी दूब और लाचार क्रोध' निबंध की मूल भावना पर विस्तार से लिखिए।

इकाई V

10. 'हिंदी नाटकों को प्रसाद की देन' पर एक लेख लिखिये।

अथवा

11. 'हिंदी निबंध को आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की देन' पर एक लेख लिखिये।

खण्ड 'स'

12. रंगमंच की दृष्टि से 'अलख आज़ादी की' नाटक का मूल्यांकन कीजिए।

13. 'तुलसी के सामाजिक मूल्य' निबंध में व्यक्त विचारों पर प्रकाश डालिये।

14. 'छायावाद' निबंध में 'छायावाद' के बारे में वाजपेयी के विचारों पर प्रकाश डालिये।

15. हिंदी नाटकों के विकास पर एक लेख लिखिये।

16. हिंदी निबंध की विकास यात्रा बताते हुए निबंध के क्षेत्र में आचार्य रामचंद्र शुक्ल के योगदान पर एक लेख लिखिये।